MATTER RAISED WITH PERMISSION Killing of a BSF Personnel by the Bangladesh Rifles

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : सभापति जी, मैं एक महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूं और आपने अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका अत्यंत आभारी हूं। सदन को ज्ञात होगा कि गत शानिवार को त्रिपुरा-बांग्लादेश की सीमा पर बी.एस.एफ. के एक अधिकारी श्री जीवन कुमार की बांग्ला देश राइफल्स के द्वारा बिना कारण अमानुष और निर्मम हत्या की गई। सदन इस संबंध में स्वाभाविक रूप से जानकारी रखता है। जब हम पश्चिम सीमा पर की आग बुझाने का प्रयास कर रहे है तो यह लगता है कि पूर्व सीमा पर यह आग फिर से उगल रही है। मैं इससे परिचित हूं कि भारत सरकार ने इस विषय को बांग्ला देश सरकार के साथ पूर्ण सख्ती से उठाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके कारण इस विषय की गम्भीरता और महत्व कम नहीं होता , क्योंकि यह पहली घटना नहीं है और हम चाहते है कि यह अंतिम घटना हो, लेकिन कम-से-कम बांग्ला देश में जैसी स्थिति बनी है, उससे डर यह है कि शायद अंतिम घटना न हो और आगे भी इस प्रकार की घटनाओं से हमारे देश को जूझना पड़ेगा। बांग्ला देश हमारा पड़ोसी देश है, उससे हम अच्छे संबंध चाहते है, यह विवाद का विषय नहीं है, इसमें कोई दो राय नहीं है, लेकिन लगता है कि बांग्ला देश में गत कुछ वर्षो से जो घटनांए घट रही है, उनकी ओर जितनी गंभीरता से सरकार और सदन और सदन में बहस होनी चाहिए, चूंकि हमारे मन में हमेशा पश्चिम सीमा, कश्मीर छाया रहता है, शायद उसको उतना समय नहीं मिल पाता,जितना इसमें मलिना चाहए।

(MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair)

हम सब जानते है कि बांग्ला देश के निर्माण मे भारत का सहयोग रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षो से बांग्लादेश से हिन्दुस्तान में अवैध रूप से इतने घुसपैठिए आ रहे है जिनकी संख्या करोड़ो मे गिनी जाती है, जिनके कारण कुछ राज्यों के और कुछ शहरों के स्वरूप में अन्तर आया है। उसके साथ-साथ पहले तो देश इससे जुझ रहा है। उसके साथ-साथ पर इस प्रकार की निर्मम घटनाएं हो रही है,जिनमें हमारा कोई दोष नहीं है। ऐसी स्थिति में मैं भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा और मैंने गृह मंत्री जी से प्रार्थना की, मेरा सौभग्य है कि उन्होंने इसको माना और वे बैठे है कि बांग्लादेश की इस सारी स्थिति पर समूचे रूप में भारत सरकार की क्या सोच है? एक रास्ता हमने यह चुना था कि तारबंदी करें, फैसिंग करें और उसके द्वारा इस प्रकार की घुसपैठ रोकी जाएगी। लेकिन यह लगता है कि या तो तारबंदी की प्रगति में कमी है या शायद उसके भूगोल के कारण तारबंदी कोई अंतिम उपाय नहीं लग रहा है। जहां नदियों के प्रभाव बदलते है,वहां स्वाभाविक रूप से तारबंदी की अपनी मर्यादा है। इसकी दूसरी समस्या खुद बांग्ला देश है, उसकी कानून और व्यवस्था है। उसकी कानून व्यवस्था की स्थिति तो ऐसी बन गई है कि प्रधान मंत्री को ढाका के सम्मेलन मे जाने से इनकार करना पड़ा क्योकि भारत के प्रधान मंत्री की सुरक्षा के बारे में

भारत स्वंय आश्वस्त नहीं था कि अगर हम इन्हे ढाका में भेजे तो सुरक्षा किस प्रकार करेंगे। मैं समझता हूं कि यह इतनी बड़ी गम्भीर बात है कि हिन्दुस्तान का प्रधान मंत्री भी वहां अपने आप को सुरक्षित रखने में असहज महसूस करता है। वहां इस प्रकार की कानून-व्यवस्था है कि बांग्लादेश के समाज में, सरकार मे और राजनीतिक दलों में कुछ ऐसे तत्व आ गए है, जो हमारे पूर्वाचल को, नॉर्थ-ईस्ट को , ईशान्य भारत को हिन्दुस्तान से अलग करने की बात भी करते है और इस अलग करने के क्रम में बंगाल और बिहार मे तो घुसपैठ हो ही रही है, लेकिन अब ये जो घटना थी, वह त्रिपुरा की सीमा पर है। असम में अब इस प्रकार की स्थिति बनी है और इस प्रकार जो पूरा पूर्वाचल है और हम सब जानते है कि हमारा कॉरिडोर छोटा है। और ऐसी स्थिति में, बांग्लादेश भले ही बगल मे हो, लेकिन अगर वह छुरी के समान काम करता रहेगा, जो इस तरह की समस्या नॉर्थ-ईस्ट मे भी आ रही है, तो इसलिए मुझे लगता है कि इस घटना को केवल एक जीवन कुमार, बी.एस.एफ. से न लिया जाए, यह अपने आप मे एक गंभीर घटना है कि भारत के किसी एक सुरक्षाकर्मी को कोई पड़ोसी देश का आदमी उठाकर ले जाए और उसकी हत्या करके वापिस भेज दे। इस पर अगर हम गंभीरता से सोचें तो मैं समझता हूं कि आपको इस सदन को विश्वास मे लेना चाहिए। मैंने समाचार-+पत्रो में पढ़ा है कि जो बांगलादेश के गृह राज्यमंत्री है श्री बाबर, वे हाल में हमारे गृह मंत्री श्री शिवराज पाटिल जी से मिले थे, तो स्वाभाविक रूप से उन्होंने भी कुछ कहा होगा, गृह मंत्री जी ने भी कुछ कहा होगा। इधर बी.एस.एफ. के डीडीआर लेवल पर भी चर्चा हुई है, लेकिन क्या इसी स्तर पर चर्चा होगी या प्रधान मंत्री, अध्यक्ष के स्तर पर भी कोई चर्चा की जाएगी?

उपसभापति जी, मैं समझता हूं कि अगर हम पश्चिमी सीमा की अपनी सफलता के सपने मे ही खोए रहेंगे, तो पूर्वी सीमा पर हमारी असफलता, यह देश के सामने एक गंभीर खतरा खड़ा करेगी। इसलिए मैं चाहता हूं कि जितना संभवं हो, गृह मंत्री जी आज इस सदन को विश्वास मे लें और अगर कुछ चीजें ऐसी हों, तो उसके लिए अलग से भी सदन में अपना वक्तव्य देंगे तो सदन इस पर चर्चा कर सकेगा धन्यवाद।

श्री उपसभापति : श्री मतिलाल सरकार।

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल) **:** सर, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो हमारे माननीय सदस्य है मतिलाल सरकार जी, उन्होंने चेयरमैन साहब को नोटिस दे रखा था। उस पर जो चेयरमैन साहब का आदेश है हमारे लिए, वह शिरोधार्य है, लेकिन हम यह बताना चाहते है कि तीन दिन से यह नोटिस पड़ा हुआ था। अब हम चाहेंगे कि आप उनको भी मौका दें।

श्री उपसभापति : जी, उनको भी मौका दे रहे है।

श्री प्रमोद महाजन : उपसभापति जी, यह घटना शानिवार को हुई। रविवार को छुट्टी थी, सोमवार को भी छुट्टी थी और मैंने मंगलवार को यह सूचना दे दी थी। **...(व्यवधान)..**

श्री उपसभापति : ठीक है, दोनो को मौका दिया जा रहा है। बोलिए, मतिलाल सरकार जी।

SHRI MATILAL SAKAR (Tripura): Sir, I gave notice yesterday itself. It is a very sad incident which occurred at Lankamura, a border village of Tripura in the afternoon of 16th April. I personally visited the village. Hundreds of people who were assembled there expressed their grievances as to what problems they are facing there, and how this particular incident took place. Firstly, an innocent farmer named Ramdhan Rudra Paul was kidnapped by the *BDR jawans* from Indian territory, beyond the fencing. He went there to bring home his cows that were grazing in the fields, all within the Indian territory. The BDR *jawans,* in disguise, in civil dress, were hiding there and kidnapped him. Hearing this, Shri Jiban Kumar along with three-four jawans rushed to the place of incident in a bid to rescue Shri Ramdhan Rudra Paul. But what happened there? Mysteriously, it could be said, the BDR. *Jawans* accompanied by a big unruly mob from a village *Hirapur* in Bangladesh came rushing towards these BSF *jawans* and opened fire in a most unprovoked manner without uttering a single word. They tried to retreat from there, but the mob encircled them and began to beat them left and right. They used some sharp-edged weapons also. How could it be done? The BDR organised this mob. Otherwise, it could not have happened.

Sir, I strongly condemn the heinous killing of Shri Jiban Kumar. I express my heartfelt condolences for him and share the sorrow with his bereaved family. Two *jawans are* still in hospitals. They have been fatally injured by the attack of the BDR yawans and the mob: they are now fighting for their lives. Sir, I have raised this question many times. I have also written to the hon. Home Minister in this regard.

The erection of fencing is a very good measure. We have seen that after erection of the fencing, the incidence of theft and dacoity has reduced, smuggling has reduced, and terrorism has reduced too. So, there is this good side of erection of fencing; the reactionary forces, the divisive forces, are not at bay. They are frustrated. In connivance with them, a section of BDR is creating troubles. Sir, it is my demand that the Bangladesh Government be told in clear terms that the Indian territory beyond the fencing is our territory and not. even an inch should be spared for them.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, conclude.

SHRI MATILAL SARKAR: They should not freely come there and disturb our farmers who go there occasionally for ploughing land and harvesting crops. A section of BDR, and a section of unruly Bangladeshi people are creating troubles. The Bangladesh Government should be told this in clear terms.

My next demand is that the strength of BSF should be increased,because by erection of fencing new problems have cropped up. To take the care of these problems, to solve these problems and to manage them, the strength of BSF should be increased, so that they can help the villagers in their day-to-day activities.

(MR. CHAIRMAN in the Chair)

Sir, the family of Shri Jeevan Kumar should be provided with a job in the Central Government as early as possible.

MR. CHAIRMAN: Please, conclude your speech.
SHRI MATILAL SARKAR: Sir, I shall take one more minute.

The jawans who are now admitted in the hospitals should be given free medical aid and all related measures should be taken, so that the people in the extreme borders ....

MR. CHAIRMAN: Now, please, take your seat. Hon. Minister, would you like to say something?

SHRI MATILAL SARKAR: ...around the fencing, can...

MR. CHAIRMAN: Please, take your seat. Please, take your seat.

SHRI MATILAL SARKAR:.....live their life peacefully and with harmony.

SHRI SANTOH BAGRODIA (Rajasthan): Sir, I would like to associate myself with the hon. Member.

गृह मंत्री (श्री शिवराज वी.पाटिल) : श्रीमन, सदन के सदस्यों ने हमारे अधिकारियों की मृत्यु के संबंध में जो संवेदना व्यक्त की है, मैं और पूरा सदन उसमे एक होकर उनको संवेदना भेजना चाहेंगे। दूसरी बात जो यहां पर कहीं गई है, वह है उनकी मदद करने की, मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे पास कुछ रूल्स है, हम उन रूल्स के मुताबिक उनको मदद देंगे, उससे ज्यादा मदद भी देने की जरूरत होगी तो भी हम देंगे और उसमें कोई कोताही नहीं होगी। जो सिपाही जख्मी हुए है,

उनको मदद देने की जहां तक बात है, तो उनको भी हम पूरी तरह से मदद देंगे, उसमे भी किसी प्रकार की कोताही नहीं होगी।

श्रीमन, श्री महाजन साहब ने यहां पर कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे भी उठाए है, जो सिर्फ इस घटना से ही संबंधित नहीं है, इसलिए उससे भी बढ़कर उनको ध्यान मे लेना जरूरी हो जाता है। जहां तक इस घटना का संबंध है, उस समय डी.जी., बी.एस.एफ. बंगलादेश मे ही थे, उन्होंने वहां के डी.जी. के साथ यह प्रश्न उठाया और उसको कहा कि यह घटना नहीं होनी चाहिए और हमारी तरफ से, भारत की तरफ से हम उसको प्रोटैस्ट करते है। मुझे उन्होंने बताया कि बंगलादेश के डी.जी., डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस, बंगलादेश ने उसके बारे में खेद व्यक्त किया और ऐसी घटना भविष्य मे न हो, इसके लिए कदम उठाने का उन्होंने आश्वासन दिया है। हमारी सरकार की तरफ से भी इसके बारे मे प्रोटैस्ट नोट उनके पास गया है, बहुत स्ट्रॉग प्रोटैस्ट नोट उनके पास गया है और उनको बताया गया है कि इस प्रकार की घटना नहीं होनी चाहिए। जैसा महाजन साहब ने बताया, वहां के होम मिनिस्टर ने मेरे साथ बात कि हम दुखी है कि यह घटना हुई I am sorry that this has happened. "We will see that this does not happen again."

श्री सभापति :कुछ ऐक्शन भी लेंगे या नहीं?

श्री शिवराज वी. पाटिल : जी हां, मैंने उन्हे बताया कि आपने दु:ख तो प्रकट किया है, यह ठीक बात है, लेकिन उसे आप पूरी तरह से इन्वेस्टिगेट कीजिए कि यह किस प्रकार से हुआ, उसके लिए कौन जिम्मेदार है और उसके खिलाफ कार्यवाही भी कीजिए। हम लोग भी इसके ऊपर पूरी तरह से इन्वेस्टिगेट करेंगे और इसके लिए जो जिम्मेदार है, उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कह दिया है कि वे वहां पर इन्वेस्टिगेशन अवश्य करवाएंगे। यहां पर इस चर्चा के माध्यम से जो बड़ा सवाल उभर कर आ रहा है, वह यह है कि ऐसी परिस्थिति मे क्या किया जाए, यह बात सही है कि पश्चिमी सीमा को हम सुरक्षित बनाना चाहते है और पश्चिमी सीमा पर जो घटनाएं हो रही है, उन्हे कम करने की हमारी कोशिश है, लेकिन इस समय हमारी पूर्वी सीमा पर जो घटनाएं हो रही है, उसके बारे मे क्या किया जाना चाहिए? वास्तविकता यह है कि हमारी पूर्वी सीमा बांग्लादेश के साथ जुडी हुई है और कुछ दूसरे देशों के साथ भी जुडी हुई है। यह सीमा करीब-करीब 4500 किलोमीटर से भी अधिक है ओर पश्चिमी सीमा से यह सीमा बड़ी है। पश्चिमी सीमा पर जो हमने फैंसिग तैयारी कर दी है और वह अब पूरी तरह से तैयारी हो चुकी है, लेकिन पूर्वी सीमा पर, बांग्लादेश व भारत के बीच में फैंस तैयार करने का कार्य पूरा नहीं हो सका है। उसका कारण यह है कि यहां की जो जमीन है, वह बहुत ही अलग किस्म की है। एक तो जमीन पहाड़ी है, फिर पथरीली भी है, फिर पथरीली भी हो तो कोई बात नहीं किन्तु वहां की मिट्टी इस प्रकार की है कि वह धस जाती है। वहां पर बहुत सारी नदियां भी है, उनकी वजह से भी यहां पर यह फैंसिंग में कुछ देर लग रही है। यहां फैंसिंग बनाने का कार्य बहुत दिनों

से चल रहा है लेकिन ऐसा भी बताया जाता है कि मॉडल भी काफी पुराने है और वे आज के योग्य नहीं है, उन्हे भी दुरूस्त करने की बात है। मैं यह बताना चाहूंगा कि हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि यह फैंसिंग का कार्य जल्दी से जल्दी पूरी हो सके।

नदियों पर हम क्या कर सकते है, यह सवाल भी हमारे सामने था।हमने वहां पर फलोटिग पेट्रोल स्टेशन्स बनाने की कोशिश की है और वे फलोटिंग स्टेशन्स हमारे पास तैयार भी है, लेकिन किसी वजह से बांग्लादेश से वहां नहीं जाया जा सकता है, इसलिए वे वहीं पर रखे है और किस प्रकार से हम उन्हे वहां पर ले जाकर उनका उपयोग कर सकते है, यह भी हम जरूर देखेंगे।

मैं इस सदन मे यह भी बताना चाहूंगा कि हमारे और बांग्लादेश के बीच में एक कमेटी बनी होती है और वह कमेटी हर वर्ष मिलती है, एक बार वहां पर और एक बार यहां पर। उससे हमारे होम सेक्रेटरी जाते है और उनके साथ डी.जी. भी जाते है। जैसाकि श्री महाजन साहब ने पूछा कि क्या हायर लैवल पर भी उसे उठाने की कोशिश अवश्य की जाएगी। यदि सार्क कॉन्फ्रेंस हो जाती तो शायद उसमें यह चर्चा भी हो जाती है, लेकिन सार्क मे भी हम बाइलैट्रल इश्यूस नहीं उठाते है। सार्क के रूल्स के मुताबिक उसमे बाइलैट्रल इश्यूस नहीं उठाए जा सकते है, लेकिन इसके ऊपर बात अवश्य होगी और इस बारे मे हम अवश्य देखेंगे। यह ऐसी घटना है, एक ऐसी प्रान्त वहां पर बनता जा रहा है. जहां पर ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है और इसलिए हम बांग्लादेश को बता रहे है कि आतंकवाद ऐसी चीज है, जिसका नुकसान किसी एक ही देश को या एक ही पार्टी को नहीं होता है, वह दोनो ही पार्टियों को होता है। उसे रोकने की कोशिश वहां पर भी होनी चाहिए और यहां पर भी होनी चाहिए। केवल यहां पर कोशिश हो और वहां पर नहीं हो अथवा वहां पर कोशिश हो और यहां पर नहीं हो तो यह बात जमती नहीं है, ये सभी तथ्य हम उनके ध्यान में लाए है। आपने यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय उठाया है और मैं जितना जवाब दे सकता था, मैंने दे दिया। आगे, आपकी यदि इस पर चर्चा की इच्छा है, तो जैसा मुझे आदेश किया जाएगा, वैसा ही होगा।

NEED TO PLACE THE PHUKAN COMMITTEE REPORT AND THE VIGILANCE COMMISSIONER'S REPORT RELATING TO DEFENCE DEALS

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Sir, I take this opportunity to make two requests, while making the substantive submission, about which, alongwith other hon. Members of the NDA, I have sent an earlier request to you. I wish to make two other requests. Firstly, shortly hereafter, the hon. Prime Minister is going to make a statement on the two important visits- visit by the Prime Minister of China,